

भाग-4 (18M)

प्रश्न संख्या : 14 - अ, आ (पत्र लेखन) 8M

8 M

1. रमेश गुंटूर में रहता है। रमेश की बहन (सरला) की शादी तिरुपति में होनेवाली है। इस विषय को आधार बनाकर कक्षाध्यापक के नाम पत्र लिखिए।

उ-

स्थान : गुंटूर,

दिनांक : 18-03-2026 .

प्रेषक - रमेश,

10 वीं कक्षा,

सरकारी पाठशाला,

गुंटूर।

सेवा में - कक्षाध्यापक जी,

सरकारी पाठशाला,

गुंटूर।

महोदय,

सादर प्रणाम।

निवेदन है कि मेरी बहन सरला की शादी तिरुपति में होनावली है। इसलिए दि -
19.03.2026 से 21.03.2026 तक 3 दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद जी।

आपका विनम्र छात्र,

रमेश,

क्रमांक- 27,

10 वीं कक्षा।

2. जोशिता विजयवाड़ा में रहती है। अपनी दादी से मिलने विसाखपट्टणम जाना चाहती है। इस विषय को आधार बनाकर प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखिए।

उ-

स्थान : विजयवाडा,

दिनांक : 18-03-2026 .

प्रेषक - जोशिता,

10 वीं कक्षा,

सरकारी पाठशाला,

विजयवाडा।

सेवा में - प्रधानाध्यापक जी,

सरकारी पाठशाला,

विजयवाडा।

महोदय,

सादर प्रणाम।

निवेदन है कि मेरे दादा-दादी विसाखपट्टणम में रहते हैं। उनसे मिलने के लिए मुझे वहाँ जाना है। इसलिए कृपया मुझे 19-03-2025 से 21-03-2025 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद जी।

आपका विनम्र छात्र,

जोशिता,

10 वीं कक्षा,

सरकारी पाठशाला,

विजयवाडा।

3. रवि को परीक्षा के लिए कुछ आवश्यक पुस्तकें चाहिए। इस विषय को आधार बनाकर पुस्तक विक्रेता के नाम पत्र लिखिए।

उ-

स्थान : _____ ,
दिनांक : 18-03-2026 .

प्रेषक - X X X X X,
10 वीं कक्षा,
सरकारी पाठशाला,
गूडेम।

सेवा में,
निदेशक महोदय,
साई बुक डिपो,
विजयवाड़ा
महोदय,

सादर प्रणाम।

निवेदन है कि नीचे दी गई सूची के अनुसार आवश्यक पुस्तकों को शीघ्र सी.ओ.डी. (Cash on Delivery) द्वारा भेजने की कृपा करें। अग्रिम राशि के रूप में ₹500/- भेज रहा हूँ। कृपया पुस्तकों को जल्द भेजने की व्यवस्था करें।

पुस्तकों की सूची :

1. हिंदी-तेलुगु शब्दकोष -20 प्रतियाँ
2. सरल हिंदी व्याकरण - 20 प्रतियाँ

धन्यवाद।

पता :
निदेशक,
साई बुक डिपो,
विजयवाड़ा - 2।

आपका विश्वसनीय,
× × × × × × × ×

4. अपने बड़े भाई को जन्म दिन की शुभकामनाएँ देते हुए भाई के नाम पत्र लिखिए।

उ-

स्थान: _____,
दिनांक : 18.03.2026.

प्रिय भैया,
सप्रेम नमस्कार।

मैं यहाँ कुशल हूँ। आशा करता हूँ कि आप सब वहाँ सकुशल हैं। मैं यहाँ अच्छी तरह पढ़ रहा हूँ।

आज आपके जन्मदिन के शुभ अवसर पर मैं आपको हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप स्वस्थ रहें और जीवन में सफलता प्राप्त करें। आप हमेशा मेरा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

घर में सभी आपको बहुत याद कर रहे हैं। शीघ्र मिलने की आशा है।

धन्यवाद भैया।

पता :
X X X X X,
X X X X X,
X X X X X।

आपका छोटा भाई,
X X X X X।

5. सुजीत अपने मित्र (रमेश) को देखने हैदराबाद जाना चाहता है। इस विषय को आधार बनाकर प्रधानाध्यापक के नाम पत्र लिखिए।

उ-

स्थान: _____,

दिनांक : 18.03.2026.

प्रेषक :

सुजीत,
10वीं कक्षा,
सरकारी पाठशाला,
_____।

सेवा में,

प्रधानाध्यापक जी,
सरकारी पाठशाला,
_____।

महोदय,

सादर प्रणाम।

निवेदन है कि मेरा मित्र रमेश हैदराबाद में रहता है। उससे मिलने के लिए मुझे हैदराबाद जाना है। वहाँ हम गोलकोंडा किला, चारमीनार, बिरला मंदिर आदि को देखना चाहते हैं। इसलिए कृपया मुझे इसलिए कृपया मुझे 19-03-2025 से 21-03-2025 तक तीन दिन की कृपा करें।

मैं वापस आकर छूटी हुई पढ़ाई पूरी कर लूँगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

10 वीं कक्षा,

सरकारी पाठशाला,

X X X X X I

6. विहार यात्रा जाने के लिए अनुमति और पैसे माँगते हुए पिताजी के नाम पत्र लिखिए।

उ-

स्थान- _____,

दिनांक- 19.03.2026.

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम।

मैं ठीक हूँ। आशा करता हूँ कि आप सब वहाँ सकुशल हैं। मैं अच्छी तरह पढ़ रहा हूँ।

अगले सप्ताह हमारी पाठशाला की ओर से विजयवाड़ा विहार यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। कुछ पुस्तकें भी खरीदनी चाहिए। पाठशाला में परीक्षा शुल्क भी चुकाना है। इसलिए अनुमति देते हुए 2000/- भेजने की कृपा करें।

माता को मेरे प्रणाम, बहिन को प्यार।

धन्यवाद जी।

आपका प्रिय पुत्र,

X X X X X I

पता :

X X X X X,

X X X X X,

X X X X X I

1. राष्ट्रीय त्यौहार

- रूपरेखा: 1. प्रस्तावना
2. विषय विस्तार
3. उपसंहार

प्रस्तावना : भारत एक महान देश है। यहाँ कई प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें राष्ट्र त्योहारों का विशेष महत्व है। राष्ट्र त्योहार हमें देश से प्रेम करना और एकता का भाव सिखाते हैं।

विषय विस्तार: भारत के प्रमुख राष्ट्र त्योहार 15 अगस्त, 26 जनवरी और 2 अक्टूबर हैं। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत को अंग्रेजों की गुलामी से आज़ादी मिली थी।

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था।

2 अक्टूबर को गांधी जयंती मनाई जाती है। इस दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का जन्म हुआ था। इन दिनों पूरे देश में तिरंगा झंडा फहराया जाता है। विद्यालयों और सरकारी कार्यालयों में कार्यक्रम होते हैं। देशभक्ति गीत गाए जाते हैं और भाषण दिए जाते हैं।

उपसंहार : राष्ट्रीय त्योहार हमें देश की एकता और महानता की याद दिलाते हैं। हमें सच्चा और अच्छा नागरिक बनकर देश की सेवा करनी चाहिए।

2. स्वच्छ भारत अभियान

- रूपरेखा: 1. प्रस्तावना
2. विषय विस्तार
3. उद्देश्य
4. उपसंहार

प्रस्तावना : स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। इसका उद्देश्य भारत को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाना है।

विषय विस्तार: स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर 2014 को नरेंद्र मोदी द्वारा महात्मा गांधी जयंती के दिन की गई।

उद्देश्य : इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देश को साफ रखना और लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके अंतर्गत हर घर में शौचालय का निर्माण करवाना, कचरा कूड़ेदानों में डालना और घर, पाठशाला, कार्यालय के आसपास साफ रखना सिखाया जाता है।

निष्कर्ष : स्वच्छ भारत अभियान हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें मिलकर अपने घर, विद्यालय और देश को स्वच्छ रखना चाहिए।

3. विद्यार्थी और अनुशासन

- रूपरेखा: 1. प्रस्तावना
2. विषय विस्तार
3. उपसंहार

प्रस्तावना : अनुशासन जीवन का एक महत्वपूर्ण गुण है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व होता है।

विषय विस्तार: अनुशासन से विद्यार्थी समय पर काम करना सीखता है। वह नियमित रूप से पढ़ाई करता है और अपने लक्ष्य पर ध्यान देता है। अनुशासन से जीवन में सफलता मिलती है और व्यक्ति अच्छा नागरिक बनता है।

अनुशासित विद्यार्थी सम्मान, सफलता और आत्मविश्वास पाता है। वह परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करता है और जीवन में आगे बढ़ता है।

उपसंहार: अनुशासन से जीवन उज्वल बनता है। जो विद्यार्थी अनुशासन का पालन करता है, वही अंत में सफलता और खुशी प्राप्त करता है।

4. प्रिय नेता

रूपरेखा:1. प्रस्तावना

2. विषय विस्तार

3. उपसंहार

प्रस्तावना : नेता देश को सही दिशा दिखाने वाला व्यक्ति होता है। भारत में कई महान नेता हैं। मेरे प्रिय नेता महात्मा गांधी जी हैं।

विषय विस्तार : महात्मा गांधी जी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात में हुआ था। उन्हें राष्ट्रपिता कहा जाता है। वे सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते थे। उन्होंने भारत को आज़ादी दिलाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ कई आंदोलन चलाए। उन्होंने लोगों को स्वदेशी अपनाने और चरखा चलाने की प्रेरणा दी। गांधी जी सादा जीवन जीते थे और सभी धर्मों का सम्मान करते थे। वे गरीबों और कमजोर लोगों की मदद करते थे। उनका जीवन अनुशासन और सेवा का उदाहरण है।

उपसंहार: महात्मा गांधी जी मेरे प्रिय नेता हैं क्योंकि वे महान और सच्चे देशभक्त नेता थे। हमें भी उनके आदर्शों को अपनाकर अच्छा नागरिक बनना चाहिए।

5. पर्यावरण और प्रदूषण

रूपरेखा:1. प्रस्तावना

2. विषय विस्तार

3. प्रदूषण को रोकने के उपाय

4. उपसंहार

प्रस्तावना: पर्यावरण का अर्थ है आस पास का वातावरण। प्रदूषण का अर्थ है कलुषित होना। पर्यावरण का प्रदूषण आज की जटिल समस्या है।

विषय विस्तार: आधुनिक युग में मुख्य रूप से चार प्रकार के प्रदूषण फैल रहे हैं। वे हैं भूमि प्रदूषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण। इन प्रदूषणों के कारण हमारा पर्यावरण बिगड़ रहा है।

प्रदूषण को रोकने के उपाय :- कूड़े कचरे को जहाँ तहाँ नहीं फेंकना है। वृक्षों को नहीं काटना है। वाहन संबंधी, कारखाने संबंधी ध्वनि को नियंत्रित करना है। नदी और जलाशयों में कूड़े-कचरे नहीं फेंकना है।

उपसंहार :- पर्यावरण की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। इससे हमारी प्रगति होती है। पर्यावरण हमारा रक्षा कवच है।

6. विज्ञान से लाभ

रूपरेखा:1. प्रस्तावना

2. विषय विस्तार

3. उपसंहार

प्रस्तावना : आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान ने मानव जीवन को आसान, सुविधाजनक और तेज बना दिया है। आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। इसी कारण मनुष्य ने समय-समय पर अनेक वैज्ञानिक आविष्कार किए हैं।

विषय विस्तार: विज्ञान की सहायता से हमें बिजली, पंखा, फ्रिज, टीवी, मोबाइल और कंप्यूटर जैसी अनेक सुविधाएँ मिली हैं। यातायात के साधनों जैसे रेल, बस और हवाई जहाज से यात्रा सरल और सुरक्षित हो गई है। चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान ने बड़ी प्रगति की है और कई गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में भी विज्ञान का बहुत योगदान है। इंटरनेट और ऑनलाइन शिक्षा से पढ़ाई आसान हो गई है।

उपसंहार: विज्ञान मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी है। यदि विज्ञान का सही उपयोग किया जाए तो जीवन सुखी और सुरक्षित बन सकता है। हमें विज्ञान का सदुपयोग करना चाहिए।

7. दूरदर्शन

रूपरेखा: 1. प्रस्तावना

2. विषय विस्तार

3. लाभ

4. नष्ट

5. उपसंहार

प्रस्तावना: मनोरंजन के साधनों में दूरदर्शन का प्रमुख स्थान है। जे. एल. बयर्ड ने इसका अविष्कार किया। आज दूरदर्शन घर का आवश्यक अंग बन गया है।

विषय विस्तार: इसमें परदा लगा रहता है। इसमें दृश्य और ध्वनि का समन्वित प्रसार किया जाता है। श्वेत-श्याम और रंगीन दो प्रकार के चित्र होते थे।

लाभ : दूरदर्शन से अनेक लाभ हैं। इससे हम गीत-संगीत सुन और देख सकते हैं। इसके द्वारा सिनेमा, नाटक और धारावाहिक भी देख सकते हैं।

इसमें समाचार सुन और देख सकते हैं। इसमें शिक्षा देनेवाले और ज्ञान बढानेवाले कार्यक्रम प्रसारित होते हैं।

नष्ट : दूरदर्शन ज्यादा समय देखने से आँखें खराब हो जाती हैं। समया का दुरुपयोग होता है। इसमें दिखाई देनेवाले अश्लील दृश्यों से समाज का पतन होता है।

उपसंहार : यह मनोरंजन के साथ साथ ज्ञान भी प्रदान करता है। हमें इसका सदुपयोग करना चाहिए।